नर्मदा के पानी का सपना ढाई दशक बाद सच हुआ

मंगलवार को टनल की खुदाई का काम पूरा, दूसरी तरफ से दिखी एटीबीएम मशीन

डॉ. संजय पयासी

सतना, 14 जुलाई. बंद आंखों से विकास के सपने देख रही विन्ध्य की जनता की एक पूरी पीढ़ी सिर्फ इसी उम्मीद में अपना वक्त काट गई कि जब नर्मदा का पानी विन्ध्य की धरती में आएगा तो विकास के ऊंचे आयाम तय होंगे. पिछले 17 साल से बरगी दायी तट नहर के लिए बन रही 12 किमी लंबी टनल मंगलवार की सुबह जब दूसरी तरफ से एटीबीएम मशीन की झलक दिखाई दी तो वहां

वर्षों से काम कर रहे लोगों के चेहरे में मुस्कान खिल गई.

उल्लेखनीय है कि अब से ढाई दशक पहले जब नवभारत समाचार पत्र का सतना से प्रकाशन प्रारंभ हुआ तो पहली बार लोगों के बीच में यह जानकारी सामने लाई गई कि बरगी बांध से निकलने वाली दायी तट नहर का पानी विन्ध्य की धरती की प्यास को बुझा सकता है. धीरे धीरे इस प्रयास को पंख लगे तत्कालीन सरकारों ने पहल कर रहे जनप्रतिनिधियों की रायशुमारी पर निर्णायक निर्णय लिया और विन्ध्य की जनता को यह आश्वासन मिला कि उसे दायीं तट नहर का विकास कर पानी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा. शुरू से राजनीति के फेर में पड़ी इस परियोजना को उस समय तगड़ा झटका लगा जब विशेषज्ञों ने पानी के बहाव के लिए विन्ध्य पर्वत श्रृंखला का सख्त पहाड़ काटने का प्रस्ताव किया. हालांकि केन्द्र की तत्कालीन एनडीए सरकार ने इस बहुउद्देश्यीय परियोजना को पूरा करने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया. तत्कालीन केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री स्व. शरद यादव ने इसे फास्टट्रेक में शामिल कर सैकड़ों करोड़ रुपया जारी किया. इतना ही नहीं बुंदेलखण्ड का नेतृत्व कर रही प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमाभारती भी जब केन्द्रीय मंत्रिमंडल में जल संसाधन मंत्री बनी तो उन्होंने भी इस परियोजना के लिये प्रस्तावित बजट की कोई कमी नहीं होने दी. इसके बावजूद टनल के निर्माण का ठेका इस काम की अनुभवी जर्मनी की कम्पनी को दिया गया. 12 किलोमीटर टनल का काम शुरूआती दौर में कम्पनी ने 799 करोड़ में पूरा हो जाने की संभावना व्यक्त की. लेकिन दुर्भाग्य विन्ध्य की जनता का कि मशीन कुछ दिन चलने के बाद अन्दर टनल में ही फंस गई. 2011 से शुरू हुए इस काम को पूरा होने में 17 वर्ष का समय लग गया. इस दौरान टनल के लिए कई कम्पनियों ने सहयोग दिया. मंगलवार की सुबह जब अन्दर से नहर बनाती हुई एटीबीएम मशीन ने अपनी पहली झलक बाहर दिखाई तो वहां मौजूद लोगों के चेहरे खिल गये.

वर्षों पुरानी नवभारत मुहिम को मिली संजीवनी

6 जिलों की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

विन्ध्य व बुन्देलखण्ड के कुछ हिस्से के प्यासे खेतों को पंजाब व हरियाणा जैसी उत्पादन क्षमता देने वाली इस परियोजना का लाभ जबलपुर, कटनी, सतना, मैहर, रीवा व पन्ना जिले के सैकड़ों गांवों को मिलेगा .कई जिलों में नहर निर्माण का काम करीब करीब पूरा हो चुका है . 197 किलोमीटर लंबी इस नहर के चालू हो जाने से संबंधित इलाकों के किसानों को दो व तीन फसल एक वर्ष में उगाने का अवसर मिलेगा .

16 सौ करोड़ तक पहुंचा बजट

दायीं तट नहर निर्माण के लिए प्रस्तावित कुल बजट 799 करोड़ से बढ़ते बढ़ते 16 सौ करोड़ तक पहुंच गया है . इन ढाई दशकों में सरकार व निर्माण एजेंसी नर्मदा घाटी विकास के लिए कमाई का जरिया बन चुकी इस परियोजना के लिए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टनल की जगह बायपास का बाहर से नहर बनाने का भी प्रस्ताव किया था परन्तु जिले के इस परियोजना को लेकर गंभीर जनप्रतिनिधियों ने दिल्ली से भोपाल तक पहल कर बायपास के बजाय टनल को ही पानी स्तर बनाये रखने के लिए उचित माना .

फर्जी दस्तावेज पर लोन मामले में ईओडब्ल्यू ने पांच के खिलाफ दर्ज किया मामला

पीएमएफएमई योजना अन्तर्गत सबसिडी प्राप्त करने के उद्देश्य से लिया गया लोन, सप्लायरों से सांठगांठ

नवभारत न्यूज

रीवा, 14 जुलाई, रीवा में फर्जी दस्तावेज झूठी प्रोजेक्ट रिपोर्ट के आधार पर 31.50 लाख रूपये का बैंक लोन हासिल करने के मामले में ईओडब्ल्यू रीवा ने पांच लोगो के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है.

आईस्क्रीम फैक्ट्री लगाने के नाम पर पीएमएफएमई योजना अन्तर्गत सबसिडी प्राप्त करने के उद्देश्य से लोन लिया गया था. सप्लायरों के सांठगांठ से पूरे खेल को अंजाम दिया गया.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकोष्ठ मुख्यालय भोपाल में कल्पना गुप्ता प्रोपराइटर कल्पना उद्योग एवं उनके पति संदीप गुप्ता के विरुद्ध धोखाधड़ी कर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर पंजाब नेशनल बैंक शाखा व्यंकट रोड रीवा से लोन प्राप्त किए जाने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी. शिकायत सत्यापन पश्चात् कल्पना गुप्ता एवं उनके पति संदीप गुप्ता द्वारा पीएमएफएमई योजना (प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना) के तहत शासन से मिलने वाली सबसिडी की राशि प्राप्त करने के उद्देश्य से सप्लायरों से सांठ-गांठ कर आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए झूठी प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर पंजाब नेशनल बैंक शाखा व्यंकट रोड रीवा से आइस्कीम उद्योग हेतु राशि रुपए 31,50,000/- का लोन प्राप्त किया गया एवं आइस्कीम फैक्ट्री स्थापित न की जाकर राशि का दुरुपयोग किया गया है. प्रथम दृष्टिया अपराध प्रमाणित पाए जाने पर आरोपीगण कल्पना गुप्ता प्रोप. कल्पना उद्योग जिला रीवा, संदीप गुप्ता पिता मथुरा प्रसाद गुप्ता, रुपेश कुमार सिंह प्रोपराइटर रुद्रांश इलेक्ट्रिक एण्ड मशीनरी, संतोष कुमार वर्मा प्रो. ओरबिन्दो टेक इन्फा, अंकिता सिंह प्रो. ओरबिन्दो टेक इन्फा एवं अन्य संबंधित के विरुद्ध धारा 318(4), 61(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया.

पांच के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया

ईओडब्ल्यू एसपी डा. अरविंद सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि आईस्क्रीम फैक्ट्री के लिये पीएमएफएमई योजना के तहत फर्जी दस्तावेज एवं झूठी रिपोर्ट के आधार पर 31.50 लाख का लोन हासिल किया गया. लेकिन कहीं भी फैक्ट्री नही लगाई गई. सप्लायरों सहित पांच लोगो के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है. पूरे मामले की जांच चल रही है.

बाल संप्रेषण गृह में नाबालिग ने लगाई फांसी

नवभारत न्यूज

रीवा, 14 जुलाई, रीवा शहर के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत रतहरा स्थित बाल संप्रेषण गृह में 17 वर्षीय किशोर ने आत्मघाती कदम उठा लिया है. घटना की सूचना के बाद हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई. वहीं पुलिस सहित बाल संप्रेषण गृह के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और घटना के संबंध में जानकारी एकत्रित कर रहे है.

मिली जानकारी के अनुसार मृतक 17 वर्षीय किशोर सीधी जिले के अमिलिया का रहने वाला था जिसे कुछ दिनों पूर्व ही पास्को एक्ट के मामले में सीधी से रीवा के बाल संप्रेषण गृह में लाया गया था. बताया गया है की घटना से कुछ ही देर पहले किशोर ने अपने परिजनों से बात की थी जिसके बाद शाम तकरीबन 7 बजे जैसे ही सभी किशोर खाना खाने गए तो मृतक ने आत्मघाती कदम बेडरूम में उठा लिया. बताया गया है कि साथ में मौजूद बच्चों ने जब उसे खाना खाने चलने को बोला तो उसने कहा कि पेट में दर्द है और वह खाना नहीं खाएगा. जिसके बाद वह कमरे में अकेले मौजूद था. जब खाना खाकर अन्य किशोर वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि इसकी मौत हो चुकी है जिसके बाद सूचना अधिकारियों को दी गई. मौके पर पुलिस सहित बाल संप्रेषण गृह के अधिकारी पहुंचे और पूरे मामले की जांच कर रहे हैं.

पश्चिम मध्य रेल

प्रोफार्मा 10.01

"सार्वजनिक अधिसूचना"

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि पश्चिम मध्य रेल मंडल जबलपुर के निम्नलिखित खंड पर 2X25000 वोल्ट, 50 हर्टज एसी विद्युत कर्षण शिरोपरि तारो को खंड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को उर्जित किया गया है। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरि कर्षण लाईनों को सब समय विधुन्मय माना जाएगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरि लाईन की समीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं जाएगा।

सेक्सन	CHAINAGE FROM	CHAINAGE TO	एनर्जाइजेशन कि तारीख
सतना – नागौद सेक्शन के बीच टर्न आउट, क्रॉसओवर और लूप लाइनों सहित स्थान STA/1180/28 से NAGOD/1209/33 तक (नई बीजी सिंगल लाइन)	STA/1180/28 (Chainage 1180/730)	NAGOD/1209/33 (Chainage 1209/840)	15.07.2026

प्रोफार्मा 10.02

एसी 25 के वी कर्षण को चालू करना, (सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी)

जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि पश्चिम मध्य रेल के, जबलपुर मंडल के ओएचई स्थान STA/1180/28 से NAGOD/1209/33 तक (नई बीजी सिंगल लाइन) सतना – नागौद सेक्शन पर 2X25000 वोल्ट, 50 हर्टज एसी विद्युत कर्षण आरम्भ करने के लिए सभी समपारों पर सड़क सतह से 4.75 मी. की स्पष्ट उचाई पर उचाई मापक लगाये गये है। बहुत अधिक उचाई वाले लोड को विधुन्मय कर्षण तार की खतरनाक सन्निकटता या संपर्क में आने रोका जा सके । जन साधारण को एतद द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लादने के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट उचाई का पालन करे और देखे की सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड से किसी भी स्थिति में उचाई मापक का अति लंघन न करे।

सेक्सन	CHAINAGE FROM	CHAINAGE TO	एनर्जाइजेशन कि तारीख
सतना – नागौद सेक्शन के बीच टर्नआउट, क्रॉसओवर और लूप लाइनों सहित स्थान STA/1180/28 से NAGOD/1209/33 तक (नई बीजी सिंगल लाइन)	STA/1180/28 (Chainage 1180/730)	NAGOD/1209/33 (Chainage 1209/840)	15.07.2026

आत्यधिक उचाई के लोड के खतरे निम्नानुसार है :–
1. उचाई मापक के लिए खतरा और उसके फलस्वरूप सड़क और रेलवे लाईन पर वाधा
2. वाहन पर ले जाये जा रही सामग्रीयों या उपस्कर को खतरा।
3. चालकों की खतरनाक सामीप्यता या संपर्क के कारण आग का खतरा और जीवन हानि का खतरा।

(हस्ता.)
उप मुख्य विद्युत अभि. (निर्माण)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

उद्घाटन के पहले बालकनी की दीवार धराशायी

मामला ग्राम पंचायत बहेरी के दिपवा गांव में नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र का

नवभारत न्यूज

चितरंगी 14 जुलाई। चितरंगी के दूरस्थ अंचल कोरावल क्षेत्र के ग्राम पंचायत बहेरी अंतर्गत दिपवा गांव बैगा बस्ती में लाखों रूपये की लागत से हाल ही में उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण पूर्ण हुआ और उद्घाटन की तैयारी थी बालकनी की दिवाल ढह गई है और दिवाल में क्रेक भी है। साथ ही बारिश का पानी छत के अंदर टपक रहा है। आरोप है कि उक्त भवन कमीशनखोरी के भेंट चढ़ गया।

ग्राम पंचायत बहेरी के कई ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में लाखों रूपये की लागत से उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य कराया गया। किंतु आरोप लगाया जा रहा है कि स्वास्थ्य केन्द्र के उद्घाटन के लिए तैयारी की जा रही थी कि बालकनी की दिवाल ढह गई और भवन के दिवाल में कई जगह क्रेक भी हो गया है। इतना ही नही गुणवत्ता विहीन कार्य के चलते छत का पानी अंदर टपक रहा है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि उक्त भवन के कार्य में कमीशनखोरी की गई है, जिसके चलते गुणवत्ता विहीन कार्य कराया गया है। जब अभी से ही भवन की यह स्थिति है तो आने वाले दिनों में उप स्वास्थ्य केन्द्र कितने दिन टिकाऊ रहेगा, इस पर भी कुछ कह पाना मुश्किल है। गुणवत्ता विहीन कार्य को देख ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराते हुये उक्त उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन की जांच कराकर क्रियान्वयन एजेंसी के संविदाकार एवं कार्य का मूल्यांकन करने वाले सहायक यंत्री एवं उप यंत्री के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

पहली बारिश में डूबा समुंद छांदा रेलवे पुल

जलभराव से आवागमन बाधित, हादसे का बढ़ा खतरा

नवभारत न्यूज

सरई 14 जुलाई। पहली ही बारिश ने समुंद-छांदा रेलवे पुल की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। सरई तहसील मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित इस पुल पर बारिश का पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित हो गया है। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों, साइकिल सवारों और पैदल राहगीरों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें जोखिम के बीच पुल पार करना मजबूरी बन गया है।

यह मार्ग सरई को सीधी, भुईमाड़ और रीवा से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन यहां से सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन, हाईवा और मालवाहक ट्रक गुजरते हैं। जलभराव के कारण पुल पर फिसलन और दृश्यता कम होने से दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान छोटे वाहन चालकों को पुल पार करने में विशेष कठिनाई होती है।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही हर वर्ष यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने पुल पर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था, नियमित रखरखाव और यातायात सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि प्रशासन समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर इस महत्वपूर्ण मार्ग को सुरक्षित और सुगम बनाएगा।

उप मुख्यमंत्री आज विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रीवा, 14 जुलाई, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल 15 जुलाई को सुबह 8 बजे रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन से रीवा पहुंचेंगे. उप मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे भारतीय रेडक्रास भवन झिरिया रीवा में आयोजित समारोह में नवीनीकृत कृत्रिम अंग निर्माण इकाई का लोकार्पण करेंगे. उप मुख्यमंत्री पात्र दिव्यांगों को कृत्रिम अंगों का वितरण भी करेंगे. कार्यक्रम का आयोजन भारतीय रेडक्रास समिति रीवा द्वारा किया जा रहा है. इसके बाद उप मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे होटल राजविलास पीली कोठी रीवा में विकसित भारत 2047 तथा आयुष्मान भारत योजना के संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में शामिल होंगे.

पोते की मौत के सदमे में दादा ने तोड़ी प्रतिमा

नवभारत न्यूज

सीधी, 14 जुलाई. एक महीने के पोते की बीमारी से मौत के बाद सदमे में दादा ने मंदिर में स्थापित भगवान हनुमान जी की प्रतिमा तोड़ दी। घटना के बाद गांव में हडकंप मच गया।

अमिलिया थाना पुलिस के अनुसार, बलहया निवासी 56 वर्षीय रामभुवन द्विवेदी के एक महीने के पोते को निमोनिया हो गया था। 4 जुलाई को उसे सीधी जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। परिवार ने बच्चे के स्वस्थ होने की कामना को लेकर पूर्वजों के मंदिर में स्थापित भगवान बजरंग बली से मन्नत मांगी थी। परिवार ने संकल्प लिया था कि बच्चा ठीक होने पर मंदिर में भंडारा, पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन कराया जाएगा। इलाज के दौरान सोमवार रात करीब 8 बजे बच्चे की मौत हो गई। उसे देर रात घर लाया गया। इसकी जानकारी जब दादा रामभुवन द्विवेदी को लगी तो वह सदमे में आ गए। उन्होंने मंगलवार सुबह 9 बजे मंदिर पहुंचकर मूर्ति तोड़ दी और मंदिर के पास बैठकर रोने लगे। प्रतिमा खंडित होने की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने सिहावल पुलिस चौकी को सूचना दी।

इनका कहना है

प्रथम दृष्टया घटना पोते की मौत के गहरे सदमे में हुई प्रतीत होती है। आरोपी रामभुवन द्विवेदी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 298 और 299 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुष्पेंद्र सिंह,
चौकी प्रभारी सिहावल

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2026)

अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं

प्रिय किसान भाइयो एवं बहनो,

वर्ष 2026 में एल-नीनो (El Niño) के संभावित प्रभाव से वर्षा में अनियमितता एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

फसल बीमा प्राकृतिक आपदा, सूखा, अतिवृष्टि एवं अन्य मौसम जनित जोखिमों से होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा प्रदान करता है।

अंतिम तिथि का इंतजार न करें

आज ही निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केन्द्र, फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा ऐप एवं अधिकृत बीमा कंपनी के मध्यस्थ के माध्यम से फसल बीमा कराएं।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी | D-11060/26 | आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

कमिश्नर कक्ष में हुई बीपी और शुगर की जांच

65 में 25 बीपी के और 15 में शुगर की पुष्टि

नवभारत न्यूज

रीवा, 14 जुलाई, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है. इसी अवधारणा को प्रतिपादित करते हुए रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने मंगलवार को संभागीय समय सीमा की बैठक से पूर्व बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कमिश्नर कार्यालय के सभी कर्मचारियों की बीपी एवं शुगर की जांच स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम द्वारा कराई.

कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमित अंतराल पर अपना हेल्थ चेकअप अनिवार्य रूप से कराना चाहिए. हेल्थ चेकअप कराने से व्यक्ति को अपनी बढ़ी हुई शुगरए बीपी एवं अन्य बीमारियों के बारे में समय रहते ही पता चल जाता हैए इससे व्यक्ति समय रहते अपना उपचार कर सकते हैं. इससे किसी भी प्रकार की कैजुअल्टी को टाला जा सकता है. कमिश्नर ने सभी अधिकारियों को समझाइश दी कि जांच के दौरान जिन अधिकारियों में शुगर एवं बीपी की पुष्टि हुई है उन्हें नियमित रूप से इसकी दवा लेनी चाहिएए साथ ही उन्हें एक्सरसाइज और योग भी करना चाहिए. कमिश्नर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का भी स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से कराएं. कमिश्नर ने कहा कि सभी व्यक्तियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण उनका स्वास्थ्य है. स्वास्थ्य परीक्षण कराने का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी स्वस्थ रहें.

Kolhapur Municipal Corporation, Kolhapur
City Water Supply & Drainage Division

e-Tender Notice No. 41 for 2026-27

Kolhapur Municipal Corporation invites e-Tender for the work of Rejuvenation of Lake Rankala UNDER AMRUT 2.0 MISSION Comprehensive in-situ Ecological Rejuvenation of Lake Rankala through Nature based solution through' resurrection of native ecology' for 'restoration of ecosystem services' UNDER AMRUT 2.0 of Kolhapur Municipal Corporation Tal. Karveer Dist. Kolhapur in the State of Maharashtra, valued at Rs.09.99 Cr. Please visit website www.mahatenders.gov.in for detailed information.

Date: /07/2026

Sd/-
Add.commissioner
Kolhapur Municipal Corporation
Kolhapur

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा प्लाट नं.34, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित . संपादक- संजय पयासी * फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99